॥ॐ॥

॥ दारिद्रय दहन स्तोत्रम् ॥

विश्वेश्वराय नरकार्णव तारणाय, कर्णामृताय शशिशेखर धारणाय
कर्पूरकांति धवलाय जटाधराय, दारिद्र्य दु:ख दहनाय नमः शिवाय ॥१॥

गौरी प्रियाय रजनीशकलाधराय, कलांतकाय भुजगाधिपकंकणाय।
गंगाधराय गजराज विमर्दनाय, द्रारिद्रय दुख दहनाय नमः शिवाय ॥२॥

SriKubereshwarDham.com

भक्तिप्रियाय भवरोग भयापहाय, उग्राय दुर्ग भवसागर तारणाय।
ज्योतिर्मयाय गुणनाम सुनृत्यकाय, दारिद्रय दुख दहनाय नमः शिवाय ॥३॥

चर्माम्बराय शवभस्म विलेपनाय, भालेक्षणाय मणिकुंडल-मण्डिताय।
मँजीर पादयुगलाय जटाधराय, दारिद्रय दुख दहनाय नमः शिवाय ॥४॥

पंचाननाय फणिराजविभूषणाय, हेमांशुकाय भुवनत्रयमंडिताय।
आनंदभूमिवरदाय तमोमयाय, दारिद्रय दुख दहनाय नमः शिवाय ॥५॥

SriKubereshwarDham.com

भानुप्रियाय भवसागर तारणाय, कालान्तकाय कमलासन पूजिताय।
नेत्रत्रयाय शुभलक्षणलक्षिताय, दारिद्रय दुख दहनाय नमः शिवाय ॥६॥

रामप्रियाय रधुनाथवरप्रदाय, नागप्रियाय नरकार्णवतारणाय।
पुण्येषु पुण्यभरिताय सुरार्चिताय, दारिद्रय दुख दहनाय नमः शिवाय ॥७॥

मुक्तेश्वराय फलदाय गणेश्वराय, गीतप्रियाय वृषभेश्वर वाहनाय।
मातंग चर्मवसनाय महेश्वराय,, दारिद्रय दुख दहनाय नमः शिवाय ॥८॥

||ॐ||

वसिष्ठेन कृतं स्तोत्रं सर्वरोगनिवारणम्।
सर्वसम्पत्करं शीघ्रं पुत्रपौत्रादिवर्धनम्।
त्रिसन्ध्यं य: पठेन्नित्यं स हि स्वर्गमवाप्नुयात्।।९।।

।।इस प्रकार महर्षि वसिष्ठ विरचित दारिद्र्य दहन शिव स्तोत्र सम्पूर्णम् ।।

SriKubereshwarDham.com